हाड़ौती में भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद, मध्यप्रदेश से संपर्क कटा

बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में कच्चा मकान गिरने से बुजुर्ग की मौत, सड़क पर आया मगरमच्छ

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में अति भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। बुधवार सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। कई जगहों पर बीते 40 घंटे से बारिश हो रही है। इसके चलते जलभराव जैसे हालात हो गए हैं। भारी बारिश के कारण कई रास्ते बंद हैं। वहीं मध्यप्रदेश से संपर्क कट गया।

हाड़ौती की बड़ी नदियों के साथ-साथ उनके सहायक नदियों में भी उफान आ गया है। ऐसे में करीब एक दर्जन से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। इसके अलावा गांव की खाड़ी (नाले) भी काफी उफान पर हैं, जिससे हादसे होने की आशंका है। इन नालों ने कई रास्तों को बंद कर दिया है। इनके तेज बहाव में पुलिया भी टूटकर बह गई, जिन्हें मिलकर हाड़ौती में 50 से ज्यादा रास्ते बंद हैं। बूंदी में लाखेरी के नजदीक कोटा-दौसा-लालसोट मेगा हाईवे पर मेज नदी की पुलिया पर खतरा बना हुआ है। पुलिया को फिलहाल बंद कर दिया है। इस रूट के ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है।

हाड़ौती में कालीसिंध, परवन, पार्वती, चंबल, अरू, पाटली, नांगली, ताकली, उजाड़, सुखनी, छापी, अंधेरी, रेणुका, कूल, बाणगंगा, चंवली, आहू व मेज नदी सहित अन्य सहायक नदियां भी उफान पर हैं। बारां के नाहरगढ़ एरिया पहले से ही मध्यप्रदेश से आ रहे पानी के चलते डूब में तब्दील हो रखा है। बारां जिले के छबड़ा की टॉवर कॉलोनी में भी पानी प्रवेश कर गया। बारां जिले के छबड़ा में भारी बारिश के चलते गूगल में किले की दीवार के पत्थर ढह गए। इसी तरह से केलवाड़ा के जैसवा के गांव में एक घर की छत गिर गई, हालांकि घर में सो रहे पांच सदस्य तुरंत बाहर चले गए थे। इसके अलावा कोटा के खातौली इलाके में भी बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं। खातौली कस्बे में बाढ़ जैसे हालात में प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली करना शुरू कर दिया है। लगातार पार्वती नदी में पानी की आवक हो रही है। साथ ही प्रशासन मुनादी भी कर रहा है।

थानाधिकारी मंशीराम बिश्नोई ने बताया कि लगातार पानी की आवक होने से एहतियात बरत रहे हैं। एसडीएम तहसीलदार अरुण सिंह सहित प्रशासन ग्रामीणों को सरकारी भवनों में शिफ्ट करवा रहे हैं और सतर्कता बरतने के लिए कह रहे हैं। पीपल्दा क्षेत्र में मदनपुरा, गोवर्धनपुरा, संग्रामपुरा, रघुनाथपुरा, डोली, नारायणपुरा, किरपुरिया, ख्यावदा, कजलिया सहित कई गांव टापू बन गए हैं।

कोटा के बूढ़ादीत थाना क्षेत्र के झाड़ गांव में एक कच्चे घर की दीवार ढहने से 79 वर्षीय खेमराज मीणा की मौत हो गई है। जबकि उनका मूकबधिर बेटा धनराज मलबा गिरने से घायल हो गया। सुल्तानपुर पंचायत समिति के सारोला पंचायत का कचनावड़ा गांव में बुजुर्ग की मौत हो गई थी। शमशान में टीनशेड नहीं था ऐसे में तिरपाल की मदद से अंतिम संस्कार किया गया।

सड़क पर आए मगरमच्छ को रेस्क्यू कर चंबल नदी में छोड़ा।

- कोटा के खातौली इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन रहे हैं, प्रशासन ने निचली बस्तियों को खाली कराना शुरू किया

चंबल नदी की झरेल की पुलिया पर पानी 22 जून से ही यह रास्ता बंद है। जिसे सवा महीने के आसपास हो गया है। इससे कोटा जिले के खातौली एरिया का सीधा संपर्क सवाई माधोपुर से टूटा हुआ है। वर्तमान में चंबल नदी की इस पुलिया पर पानी है। यहां पर स्थित झरेल के बालाजी का मंदिर भी पूरी तरह से जलमग्न है। मध्यप्रदेश सरकार ने खातौली के नजदीक पार्वती नदी पर पुल बनाया था। यह सबमर्सिबल पुल था जो इस बार बारिश में डूब गया है। इससे पहले राजस्थान सरकार का बनाया पुल भी अक्सर डूब जाया करता था। इस बार नया बना हुआ पुल जिस पर से इस साल ही ट्रैफिक शुरू हुआ था वह भी डूब गया है। इसके चलते मध्यप्रदेश का खातौली से संपर्क टूट गया है। कोटा जिले के अयाना के नजदीक पार्वती नदी की सुरताक क्वांजापुर की पुलिया पर पानी आ जाने के चलते कोटा का मध्यप्रदेश के बड़ौदा श्योपुर से संपर्क कट गया है। यह सड़क मार्ग का सबसे ज्यादा उपयोग बारां जिले के लोग मध्यप्रदेश के श्योपुर जाने के लिए करते हैं।

बूंदी जिले के लाखेरी के नजदीक मेज नदी की पापड़ी पुलिया के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है। इसे देखने के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद इस पुलिया पर से आवागमन फिलहाल रोक दिया गया है। बारां जिले में 14 रास्ते बंद हैं। कोटा जिले में सुकेत से जुल्मी रोड़, देवली मांझी से ढोटी, नोनेरा से नारायणपुरा, गैंता से कीरपुरा, चेचट से चंद्रपुरा रोड़ भी बंद हैं।

सड़क पर आया मगरमच्छः- शहर के बजरंग नगर में नहर के नजदीक एक 9 फीट लंबा मगरमच्छ देर रात को पहुंच गया था। वन विभाग को भी इसकी सूचना मिली थी जिसके बाद मगरमच्छ का रेस्क्यू किया गया। फॉरेस्ट विभाग के वीरेंद्र सिंह हाड़ा ने बताया कि वह मंगलवार देर रात करीब 1 बजे पहुंच गए थे। लेकिन भारी बारिश हो रही थी। इसके चलते रेस्क्यू करने में काफी समय लगा। इसके बाद उसे पौने तीन बजे रेस्क्यू किया गया। इसे ले जाकर वॉटर फिल्टर प्लांट शिवपुरा के नजदीक चंबल नदी में छोड़ा है। यह मगरमच्छ 9 फीट लंबा और करीब 100 किलो वजनी था।

मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का क्षेत्र में बारिश, खेतों में पानी भरा

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में अलर्ट के दूसरे दिन बुधवार सुबह से घने बादल छाए रहे। दोपहर में मालाखेड़ा, सिलीसेढ़ व सरिस्का के क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई है।

लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बारिश होने से खेतों में पानी भर गया। अब बारिश होने से सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी है। वैसे भी बांध करीब दो से ढाई फीट तक खाली है। बांध भरने के बाद जयसमंद में पानी की आवक बढ़ेगी। तेज बारिश अलर्ट के कारण अलवर कलेक्टर

- सिलीसेढ़ बांध में पानी की आवक बढ़ने लगी

ने दो दिन तक जिले में स्कूलों का अवकाश घोषित किया है। अलर्ट से पहली रात को जिले के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई थी। वहीं जिले के अन्य ग्रामीण हिस्सों में बुधवार तड़के करीब तीन बजे से सुबह आठ बजे तक लगातार पांच घंटे अच्छी बारिश हुई। इससे खेतों में पानी भर गया और किसानों के चेहरे खिल उठे। ग्रामीणों का कहना है कि इस बारिश से भूजल स्तर में सुधार आने की उम्मीद है। सबसे अधिक गोविंदगढ़ में 45, थानागाजी में 11, लक्ष्मणगढ़ में 22 और बाकी जगहों पर 2 से 11 मिमी बारिश हुई है। सिलीसेढ़ बांध में अब 26.3 फीट पानी है, जबकि 28.9 फीट के बाद ऊपरा चल सकेगी। जबकि अलर्ट से पहली रात को अलवर में 22, जयसमंद में 30, सोडावास में 24, सिलीसेढ़ में 21, राजगढ़ में 21 सहित अन्य जगहों पर भी हल्की बारिश हुई थी।

डिग्गी में दो युवक डूबे, तलाश जारी

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ तहसील के रणधा गांव में बुधवार दोपहर में युवक पानी की डिग्गी में डूब गए। ग्रामीणों की मदद से व जेसीबी से युवकों की तलाश की जा रही है, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया है।

आसपास के लोगों ने उनको पानी में तैरते हुए देखा था। कुछ देर बाद जब वो नजर नहीं आए तो उनकी तलाश करने पर डिग्गी के बाहर जूते चप्पल नजर आए। हादसा फतेहसिंह नामक किसान के खेत में हुआ। युवकों के पानी में डूबने की आशंका के चलते लोगों में सनसनी फैल गई, मगर डिग्गी गहरी होने के कारण वे पानी में नहीं उतर सके। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व झिनझिनयाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से व जेसीबी की मदद से युवकों की तलाश की जा रही है।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ERCC/RCC 14)/2025/ई-12004

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 14)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों/क्वारी लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क/अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 49 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.:mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेट फार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट www.://rajminorrccerce.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर)
निदेशक

DIPR/C/10426/2025

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

विभागीय दूरभाष नं. 0294-2415091 विभागीय एक्सटेंशन नम्बर 211, 212 व 219

क्रमांक निदे / अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (QL 2)/2025/ई-11996

नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत अप्रधान खनिजों के 193 क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का आंवटन किये जाने के लिए ई-नीलामी के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
चित्तौड़गढ	निम्बाहेडा	बिनोता	लाइमस्टोन (खण्डा, पट्टी, फर्शी)	14
			लाइमस्टोन (खण्डा, पट्टी, फर्शी)	2
	बेंगू	रावडदा	सैण्ड स्टोन	76
जोधपुर	शेरगढ़	शिवपुरा	सेण्ड स्टोन	51
डीडवाना-कुचामन	मकराना	मकराना	मार्बल	1
भीलवाडा	बिजौलिया	तिलिस्वां	सैण्ड स्टोन	2
		पचानपुरा	सेण्डस्टोन	28
		बिजोलिया खुर्द	सैण्ड स्टोन	4
		खड़ीपुर	सैण्ड स्टोन	3
		सुखपुरा	सेण्डस्टोन	12
		कुल प्लॉट		193

क्वारी लाईसेंस प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी मेसर्स रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड के enivida portal https://rajminorblocks.enivida.com पर उपलब्ध है।

(दीपक तंवर)
निदेशक

DIPR/C/10452/2025

सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात

एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे नागरिकों को रेस्क्यू किया।

सवाई माधोपुर, (निस)। जिले में लगातार हो रही मूसलधार वर्षा और जल स्त्रोतों के उफान के बीच बुधवार प्रातः एसडीआरएफ कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देशन में एसडीआरएफ की दो अलग-अलग टीमों ने चम्बल नदी और लटिया नाले में फंसे 16 नागरिकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर जान बचाई।

- चम्बल नदी व लटिया नाले में फंसे 16 लोगों को बचाया
- ग्रामीणों के साथ 40 मवेशियों को भी सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

प्रातः 5:10 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर भरतपुर की सी कम्पनी खण्डार थाना क्षेत्र में तैनात टीम सी-7 को मईकलां गांव में चम्बल नदी के तेज बहाव में फंसे ग्रामीणों के रेस्क्यू के लिए रवाना किया गया। वहीं हैडकांस्टेबल अशोक कुमार के नेतृत्व में 10 जवानों की टीम आपदा राहत उपकरणों एवं मोटर बोट के साथ मौके पर पहुंची। क्षेत्र में कोटा बैराज के गेट खोलने के कारण नदी उफान पर थी और गांव में पानी भर गया था। रेस्क्यू टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 पुरुष, 2 महिलाएं और 4 बच्चों सहित कुल 9 नागरिकों को लाइफ जैकेट पहनाकर सुरक्षित निकाला और नाव से सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। इसके साथ ही ग्रामीणों के 40 मवेशियों को भी बहाव से सुरक्षित बाहर लाया गया। इसी प्रकार दूसरी ओर सवाई माधोपुर शहर के समीप लटिया नाले के तेज बहाव में फंसे 7 नागरिकों को भी एसडीआरएफ की सी-08 टीम ने प्रातः पांच बजे सूचना मिलने के बाद प्रातः 5:50 बजे तक पहुंचकर सफलतापूर्वक बचाया। यह टीम रिजर्व पुलिस लाइन सवाई माधोपुर में तैनात थी और इसका नेतृत्व हैडकांस्टेबल धारा सिंह कर रहे थे। लटिया नाले का मिर्जा मोहल्ला और अंसारी मोहल्ला क्षेत्रों में 3 से 4 फीट पानी भर चुका था, जिससे कुछ मकान जलमग्न हो गए। रेस्क्यू टीम ने रस्सियों और लाइफ बॉय की मदद से बाढ़ग्रस्त मकानों तक पहुंच बनाई और सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। दूसरी ओर मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और स्थानीय निवासियों से संवाद कर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने लटिया नाले के उफान से शहर के रैगर मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, अंसारी मोहल्ला, प्रजापत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला व अन्य कॉलोनियों में हुई जलभराव की गंभीर स्थिति पर चिंता जताई।

सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बढ़ते अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी

अलवर, (निसं)। सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में फैली बहुमूल्य वन भूमि पर बढ़ते अवैध कब्जों को लेकर अब प्रशासन सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। प्रशासन को अब सरिस्का टाइगर रिजर्व के बफर जोन व क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (सीटीएच) से एक किलोमीटर के दायरे में बने होटल व रिसॉर्ट पर कार्रवाई करनी होगी। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी। बाघों के संरक्षण में कोई बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रशासन अब अपना बुलडोजर बाहर निकालेगा और सिलीसेढ़, टहला, अजबगढ़ आदि एरिया में सरिस्का की जमीन पर हुए अतिक्रमण हटाए जाएंगे। वहीं, सरिस्का प्रशासन ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन से सरिस्का की जमीनों पर हुए अतिक्रमण का डेटा मांगा था।

- केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी साफ कर दिया है कि अतिक्रमण पर अग्रिम कार्रवाई राजस्व और यूआईटी को करनी होगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरिस्का बफर में क्षेत्र में बने हुए होटल राजस्व और यूआईटी के क्षेत्र में हैं। जिला प्रशासन की ओर से किए गए सर्वे की रिपोर्ट के बाद उन्हीं विभागों को अग्रिम कार्रवाई करनी है। किसी भी प्रकार का काम, जो अवैध हो और जो बाघों के संरक्षण के लिए हानिकारक होगा, उसे होने नहीं दिया जाएगा। इससे साफ हो गया है कि अब प्रशासन को कार्रवाई आगे बढ़ानी होगी।

प्रशासन की ओर से कुछ माह पहले कराए गए सर्वे में पाया गया था कि सिलीसेढ़ में 14 होटल बफर राजस्व एरिया में बने हुए हैं। इसके अलावा अन्य प्रतिष्ठान भी बफर एरिया में बने हुए हैं, जिन्हें सर्वे में छोड़ दिया गया। अब वे भी सर्वे के दायरे में आएंगे। इसके अलावा टहला एरिया में क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट से एक किलोमीटर के दायरे में 34 होटल आ रहे हैं। अजबगढ़ एरिया में भी 18 होटल व रिसॉर्ट हैं। इन सभी को किसी न किसी प्रकार से नोटिस तो जारी हुए, लेकिन उसके बाद प्रशासन ने इन सब मामलों को दबा दिया, लेकिन अब सरिस्का के संरक्षण की बात सामने आ रही है। पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण पर कार्रवाई के आदेश किए थे और अब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में प्रशासन को अब आगे आना होगा।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
(स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ,बीकानेर)

क्रमांकः साविम / स्था / 2025 / 1475 | दिनांकः 29.07.2025

आवश्यकता/सूचना

कुलसचिव, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पत्र क्रमांकः प.212 /SKRAU /Estt /Gr I /2025 /815 दिनांक 28.07.2025 के संदर्भ में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर स्नातक एवं स्नाकोत्तर के विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र 2025-26 के प्रथम सेमेस्टर में विभिन्न विषय खाद्य एवं पोषण, संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान, मानव विकास एवं पारिवारिक अध्ययन, परिधान एवं वस्त्र विज्ञान, प्रसार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन और शरिरिक प्रशिक्षक शिक्षक को पढ़ाने हेतु अथिति संकाय के रूप में योग्य शिक्षकों की अंशकालीन आवश्यकता है। इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थी (स्नाकोत्तर के साथ NET अथवा Ph -D) या रिटायर्ड कॉलेज शिक्षक (70 वर्ष से कम आयु वाले) अपने बायोडाटा के साथ मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र और एक अतिरिक्त प्रतिलिपि सेट स्वः प्रमाणित साथ लेकर दिनांक 01.08.2025 को सुबह 10.00 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर में साक्षात्कार हेतु व्यक्तिशः उपस्थित होवे। अथिति संकाय शिक्षकों को विश्वविधालय नियमानुसार मानदेय देय होगा। चयन प्रकिया के समस्त अधिकार चयन समिति के पास सुरक्षित रहेगें।

अधिष्ठाता : सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर- 334006

राज.संवाद / सी / 25 / 7170 | अधिष्ठाता

बारिश और अंधड़ से 100 साल पुराना पेड़ गिरा, कई वाहन क्षतिग्रस्त

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के मंगला चौक में बारिश और अंधड़ के चलते 100 साल पुराना पेड़ गिरने से कार और ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये और बिजली के तार टूट गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार पुराने शहर भीलवाड़ा ने करीब 100 वर्षों पुराना पेड़ बारिश के बीच अचानक गिर गया। पेड़ के नीचे दबने से एक कार और ऑटो क्षतिग्रस्त हो गये, जबकि कई विद्युत पोल और तार टूटने से क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। सूचना पर निगम की टीम मौके पर पहुंची और रोड क्लियर करवाया। हादसे की सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। निगम और सिक्योर कंपनी की टीम ने पेड़ की कटाई कर उसे हटाने के इंतजाम किए। पेड़ की टहनियों से एक मंदिर का दरवाजा और सीढ़ियों को भी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

अवैध बजरी भरे तीन डम्पर जब्त, चालक गिरफ्तार

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के बीगोद थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम (डीएसटी) ने बजरी माफ़िया पर बड़ी कार्रवाई की है। बनास नदी की ओवरलोड अवैध बजरी परिवहन करते तीन डम्परों को जब्त किया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को भी गिरफ्तार कर लिया है। खनिज विभाग ने डम्पर चालकों के खिलाफ बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया है।

भीलवाड़ा की स्पेशल टीम ने बुधवार को जोजवा-धाकड़खेड़ी सड़क मार्ग पर जा रहे अवैध बजरी भरे ओवरलोड तीन डम्परों को जब्त किया और वाहनों को बीगोद थाने लाकर खड़ा कराया। पुलिस जांच के दौरान तीनों डम्पर के पास बजरी ओरिवहन के वैध दस्तावेज नहीं मिले।

डम्पर चालकों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि बनास नदी किनारे खटवाड़ा गांव के पास बजरी स्टॉक से जेसीबी से तीनों डम्पर में बजरी भरी गई और मध्यप्रदेश में सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी। सूचना पर खनिज विभाग के फोरमैन ने बीगोद थाने पहुंच कर तीनों अवैध बजरी के डम्पर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने डम्पर चालकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। खनिज विभाग के मुताबिक पुलिस कार्रवाई के साथ अवैध बजरी खनन ओर परिवहन करने पर जब्त डम्परों से 15 लाख 72 हजार राशि जुर्माना के रूप में वसूली जाएगी। वहीं परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड़ की अलग से कार्रवाई की जाएगी और स्टॉक संचालक व जेसीबी को भी जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अधेड़ से मारपीट की

भीलवाड़ा, (निसं)। रायपुर में खेत में पशु प्रवेश करवाने की रिपोर्ट दर्ज करवाने जाना अधेड़ को उस वक्त भारी पड़ गया, जब थाने के सिपाही दशरथ सिंह ने मारपीट कर दी, जिसके कारण अधेड़ का कान का पर्दा भी फट गया, जिसके बाद घायल अधेड़ को परिजनों ने अस्पताल में भर्ती करवाया है। वहीं परिजनों ने एसपी से आरोपी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग की है। घायल के परिजन जगदीश तेली ने कहा कि कोशिथल में रहने वाले मेरे साढू नंद लाल तेली के खेत में शंकर लाल तेली अपने मवेशी चरने के लिए छोड़ देता है, जिसकी उलाहना देने पर शंकर लाल ने नंद लाल से मारपीट की और जब हम इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाने रायपुर थाने में गए तो वहां बीट प्रभारी दशरथ सिंह ने शंकरलाल से सांठ-गांठ करते हुए हमारी रिपोर्ट लेने से इंकार कर दिया और 15 हजार रूपए की मांग रखी।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना | दिनांक :- 30/07/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.9(1)41/CC/2022/ 2025-13 Dated 25.07.202 UBN No. MML2526GLOB00071	कसनाऊ मातासुख लिग्नाइट माइंस गांव-मातासुख तहसील-जायल नागौर में एक 11 / √3 केवी न्यूट्रल ग्राउंडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रू.) 10.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 20,800 /–, निविदा राशि– 1180 /– अहस्तान्तरणीय जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500 /– का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/7178 | उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/10881 | दिनांक :- 28/07/2025

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 11/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए तथा एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ईप्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से कुल 04 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :– 01 WAQ2526WSOB00166, 02. WAQ2526WSOB00167, 03. WAQ2526WSRC00168, 04. WAQ2526WSOB00169

राज.संवाद/सी/25/7188 | अधिशाषी अभियंता - प्रथम

कार्यालय नगर पालिका मण्डल केशवराय पाटन जिला - बून्दी (राज0)

npalika3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :– न0पा0के0पा0 / निर्माण / 2025–26 / 1305–1307 | दिनांक :–25.07.2025

ई–निविदा सूचना संख्या 02/2025–26

नगर पालिका के0पाटन द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु नगर पालिका के0पाटन में पंजीकृत कार्यो के अनुसार सक्षम स्तर के संवेदक एवं अन्य विभागों में पंजीकृत AA,A श्रेणी के संवेदकों से द्वी लिफाफा पद्वति / ई–निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 25.07.2025 से दिनांक 08.08.2025 प्रातः 9.00 बजे तक है। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

Sr. No.	UBN No.	Sr. No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB12628	2	DLB2526WSOB12629
3	DLB2526WSOB12630	4	DLB2526WSOB12631
5	DLB2526WSOB12633		TENDOR COST – 24.65 LACS

राज.संवाद / सी / 25 / 7044 | अध्यक्ष | अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, कोटा

क्रमांक-खअ/कोटा/अना./नीलामी/2025/684

नीलामी सूचना प्रकाशन 05/2025-26 | दिनांक-21.07.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय खनि अभियन्ता कोटा क्षेत्राधिकार में विभिन्न राजस्व ग्रामों के खातेदारी/सरकारी खसरों में अवैध खनन/निर्गमन चैकिंग के दौरान आरएमएमसीआर 2017 के नियम 54 व 60 के तहत जब्तशुदा खनिज बजरी काली/बनास/मेसनरी स्टोन जैसी भी जितनी भी जहां भी है, उसी स्थिति में नीलामी हेतु दरे सीलबन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न तालिका व विभागीय वेबसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in तथा कार्यालय नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र राशि रूपये 100 का डी.डी./बैंकर्स चैक खनि अभियन्ता कोटा के नाम जमा कराकर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय खनि अभियन्ता, खनिज भवन, प्लॉट नं. 3, टैगोर नगर, रावतभाटा रोड, कोटा से प्राप्त किये जा सकते है।

नीलामी हेतु खनिज काली बजरी का संक्षिप्त विवरण

क्र. सं.	राजस्वग्राम एवं खसरा संख्या तहसील (जहाँ जब्तशुदा काली बजरी पडी है)	खनिज की अनुमानित मात्रा (टनों में)	बयाना/अमानत राशि (रू.में)	निविदा आमंत्रण तिथी	निविदा खोलने की तिथी	न्यूनतम बोली राशि (रू.में)/ प्रति टन
1	खसरा 643 किस्म खातेदारी ग्राम खेडीयामान तहसील इन्द्रगढ जिला बुंदी	80 टन	3600	04.08.2025	05.08.2025	450
2	खसरा 364 किस्म खातेदारी ग्राम खेडीयादुर्जन तहसील इन्द्रगढ जिला बुंदी	300 टन	13500	04.08.2025	05.08.2025	450
3	खसरा 757 किस्म बारानी खातेदारी ग्राम झालीजी का बराना तहसील के. पाटन जिला बूंदी	300 टन	13500	04.08.2025	05.08.2025	450
4	ग्राम सुल्तानपुर तहसील दीगोद जिला कोटा	30 टन	1350	05.08.2025	06.08.2025	450
5	खसरा सं. 1408/516 खातोली से सवाईमाधोपुर रोड ग्राम लाखनी जिला कोटा	30 टन	1350	05.08.2025	06.08.2025	450
6	खसरा सं. 01 ग्राम खातोली जिला कोटा	150 टन	6750	05.08.2025	06.08.2025	450
7	खसरा सं. 525 ग्राम खातोली जिला कोटा	100 टन	4500	05.08.2025	06.08.2025	450
8	खसरा सं. 03 ग्राम खातोली जिला कोटा	100 टन	4500	05.08.2025	06.08.2025	450
9	खासरा सं. 1342/57 खातोली से सवाईमाधोपुर रोड ग्राम खातोली जिला कोटा	80 टन	3600	05.08.2025	06.08.2025	450
10	खातोली इटावा रोड आवासीय कॉलोनी ग्राम खातोली इटावा जिला कोटा	870 टन	39150	05.08.2025	06.08.2025	450
11	खसरा संख्या 845 ग्राम गैंता तहसील पीपल्दा जिला कोटा	400 टन	18000	05.08.2025	06.08.2025	450
12	ग्राम राजपुरा बम्बूलिया मुख्य सडक की ओर	400 टन	18000	05.08.2025	06.08.2025	450
13	ग्राम राजपुरा तहसील पीपल्दा जिला कोटा	500 टन	22500	05.08.2025	06.08.2025	450
14	ग्राम हवा खेरली तहसील पीपल्दा जिला कोटा (हवा खेरली मुख्य सडक किनारे)	300 टन	13500	05.08.2025	06.08.2025	450
15	ग्राम फतेहपुरखुश्क तहसील तहसील दीगोद (सरपंच के घर के परिसर में)	20 टन	900	06.08.2025	07.08.2025	450
16	ग्राम मण्डावरा तहसील दीगोद जिला कोटा	80 टन	3600	06.08.2025	07.08.2025	450
17	ग्राम फतेहपुरखुश्क तहसील तहसील दीमोद	150 टन	6750	06.08.2025	07.08.2025	450
18	ग्राम झोटोली (सुल्तानपुरा मण्डावरा रोड के किनारे)	540 टन	24300	06.08.2025	07.08.2025	450
19	ग्राम झोटोली (सुल्तानपुरा मण्डावरा रोड के किनारे)	151 टन	6795	06.08.2025	07.08.2025	450
20	ग्राम आमोरा ग्राम पंचायत बमोरी तहसील दीमोद (सरपंच निवासी आमोरा के मकान के सामने)	210 टन	9450	06.08.2025	07.08.2025	450
नीलामी हेतु बनास बजरी का संक्षिप्त विवरण-						
1	ग्राम केशोपुरा तहसील पीपल्दा जिला कोटा	2016 टन	141120	07.08.2025	08.08.2025	700
2	पुलिस थाना महावीर नगर, जिला कोटा	68 टन	4760	07.08.2025	08.08.2025	700
3	पुलिस थाना उद्योग नगर, जिला कोटा	135 टन	9450	07.08.2025	08.08.2025	700
4	पुलिस थाना अयाना जिला कोटा	360 टन	10150	07.08.2025	08.08.2025	700
5	पुलिस थाना भीमगंजमण्डी जिला कोटा स्थान उम्मेद सिंह स्टेडियम	145 टन	10150	07.08.2025	08.08.2025	700
6	पुलिस थाना बोरखेडा, जिला कोटा	99 टन	6930	07.08.2025	08.08.2025	700
7	पुलिस थाना रेल्वे कॉलोनी, जिला कोटा	160 टन	11200	07.08.2025	08.08.2025	700
8	कार्यालय परिसर खनिज भवन, टैगोर नगर, प्लॉट नम्बर 3, रावतभाटा रोड,कोटा	90 टन	6300	07.08.2025	08.08.2025	700
नीलामी हेतु मेसनरी स्टोन का संक्षिप्त विवरण						
1	खसरा संख्या 735 ग्राम दीपपुरा तहसील लाडपुरा जिला कोटा	1250 टन	43750	07.08.2025	08.08.2025	350

समूहों में पडे जब्तशुदा खनिज काली बजरी/बनास बजरी/मेसनरी स्टोन की प्रत्येक समूह के लिए अलग-अलग बोली दरे सीलबन्द लिफाफे में निविदा आमंत्रण तिथी को प्रात 11 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालय खनि अभियन्ता खनिज भवन, प्लॉट नं. 3, टैगोर नगर, रावतभाटा रोड, कोटा के कमरा नम्बर 112 में प्राप्त की जायेगी। निर्धारित समय तक प्राप्त सीलबन्द निविदाएं कमेटी द्वारा निविदा खोलने की तिथी को प्रात 11 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खनि अभियन्ता कोटा कक्ष संख्या 114 में खोली जायेगी। नीलामी की शर्ते कार्यालय खनि अभियन्ता कोटा व विभागीय वेबसाईट www.mines.rajasthan.gov.in एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हे।

DIPR/C/10479/2025 | (आर.एन. मंगल) खनि अभियन्ता कोटा